चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 23.2.26 | 3 | 3-6 |


• नए स्टार्टअप आइडिया पर एचएयू का एबिक सेंटर देता है 25 लाख रुपए तक का अनुदान

# मशरूम कोटेड स्नैक्स और मिठाइयां की जाएंगी तैयार, एचएयू के एबिक सेंटर ने किया एमओए

भास्कर न्यूज | हिसार

मशरूम कोटेड स्नैक्स, पाउडर और मशरुम आधारित नमकीन व मिठाई तैयार की जाएगी। इसको लेकर महेंद्रगढ़ के योगेंद्र कुमार की कंपनी वाईएमडब्ल्यू फूड प्राइवेट लिमिटेट का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर के साथ एमओए किया है। एबिक सेंटर द्वारा चार नए स्टार्टअप के लिए एमओयू किए हैं। इसमें योगेंद्र कुमार के स्टार्टअप आइडिया को 12 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। यह स्टार्टअप मशरूम के मूल्य संवर्धन पर कार्य कर रहा है। मशरूम बेस्ट उत्पाद विकसित करने के अलावा यह किसानों को भी प्रशिक्षण देकर उनकों भी उद्यमिता की तरफ अग्रसर करेंगे। एबिक सेंटर द्वारा नए स्टार्टअप आइडिया के लिए युवाओं को 25 लाख रुपए तक का अनुदान प्रदान किया जाता है।

## पानीपत, हिसार, पंचकूला के इन स्टार्टअप्स को भी मिला अनुदान

### कम्पोस्टिंग के लिए डीजल इंजन संचालित मशीन विकसित की

पानीपत निवासी रामावतार की कंपनी आस एग्रो मशरूम उत्पादन एवं अन्य कृषि कार्यों के लिए कंपोस्ट तैयार करने के लिए डीजल इंजन संचालित चार-पहिया मशीन विकसित की है। यह मशीन श्रम लागत को कम करने तथा कंपोस्ट निर्माण की दक्षता बढ़ाने में सहायक है। इस स्टार्टअप के लिए 25 लाख रुपए प्रदान किए जा रहे हैं।

### हिसार के प्रदीप की कंपी इंनीशिएटिव केले की पोस्ट हार्वेस्ट हानियां होंगी कम

हिसार के प्रदीप की कंपी ओरिक इंनीशिएटिव, हिसार का स्टार्टअप केले की वैल्यू चेन में होने वाली फसलोपरांत पोस्ट-हार्वेस्ट हानियों को कम करने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्राकृतिक पकने की प्रक्रिया का अनुकरण करता है। यह तकनीक समान रूप से पकाव सुनिश्चित करती है, शेल्फ लाइफ बढ़ाती है तथा किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने में सहायता करती है। एलएलपी को 20 लाख रुपए का अनुदान दिया गया है।

### अनाज व बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय पाचन को करेंगे सुदृढ़

पंचकूला की दिब्बा व विनीत कुमार की कंपनी पर्वा इम्यूनोकेयर प्राइवेट लिमिटेड को 5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस स्टार्टअप ने जीवित प्रोबायोटिक फॉर्मुलेशन विकसित किए हैं। जिनमें अनाज एवं बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय शामिल हैं जो पाचन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

## कार्यक्रम के तहत युवाओं को प्रशिक्षण, 4 से 25 लाख रुपए अनुदान देने का प्रावधान

▪ आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के नियंत्रक अधिकारी एवं एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एबिक द्वारा युवाओं को अपने नए आइडिया के साथ व्यवसाय शुरू करने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर कोहार्ट में छात्र कल्याण प्रोग्राम, पहल और सफल कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण और 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि देने का प्रावधान किया है।

▪ एबिक से 77 स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ की ग्रांट स्वीकृत : एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक के माध्यम से अब तक हुए कुल 7 कोहार्टस में 77 स्टार्टअप्स को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 10 करोड़ रुपए की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है। जिनमें से कई स्टार्टअप आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं।

*▪ एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रुपए की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है।''* - प्रो. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 23.2.26 | 2 | 1-3 |

# नवाचार और उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा

## एबिक के माध्यम से चार स्टार्टअप से एमओयू, 62 लाख रुपये अनुदान स्वीकृत

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार व उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एबिक की ओर से चार चयनित स्टार्टअप के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं। कृषि मंत्रालय के माध्यम से इन स्टार्टअप को कुल 62 लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में नवाचार आधारित उद्यमिता को निरंतर बढ़ावा दे रहा है। एबिक ऐसा मंच है जहां कृषि एवं कृषि आधारित क्षेत्रों के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान और महिला उद्यमी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।

एबिक के माध्यम से अब तक सात कोहार्ट में 77 स्टार्टअप को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से करीब 10 करोड़ रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की जा चुकी है जिनमें से कई स्टार्टअप आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं। आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के नियंत्रक अधिकारी एवं अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षण और अनुसंधान के साथ-साथ नवाचार आधारित उद्यमिता को भी बढ़ावा दे रहा है।

हिसार में एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज के साथ स्टार्टअप संचालक। स्रोत : विवि

### चार स्टार्टअप को मिला प्रोत्साहन

एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि महेंद्रगढ़ के योगेंद्र कुमार की कंपनी वाईएमडब्ल्यू फूड प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख रुपये मिलेंगे। यह स्टार्टअप मशरूम आधारित स्नैक्स, पाउडर और अन्य उत्पाद विकसित कर रहा है। पानीपत के रामावतार की कंपनी आस एग्रो को 25 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। कंपनी ने कंपोस्ट निर्माण के लिए डीजल इंजन संचालित चार-पहिया मशीन विकसित की है। हिसार के प्रदीप की कंपनी ओरिक इनिशिएटिव, हिसार एलएलपी को 20 लाख रुपये मिलेंगे। यह स्टार्टअप केले की फसलोपरांत हानि कम करने के लिए नियंत्रित प्राकृतिक पकाव तकनीक पर कार्य कर रहा है। पंचकूला की दिब्बा और विनीत कुमार की कंपनी पर्वा इम्यूनोकेयर प्राइवेट लिमिटेड को पांच लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कंपनी ने अनाज व बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय पदार्थ विकसित किए हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 23.2.26 | 5 | 5-6 |

# हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरतः प्रो. काम्बोज

*कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ स्टार्टअप्स एवं अन्य*

## हकृवि के एबिक ने चार स्टार्टअप्स के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हिसार, 22 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रूपए की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है।

कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि एबिक इनोवेशन आधारित एग्री स्टार्टअप्स के लिए ऐसा प्लेटफार्म हैं जहां कृषि या कृषि से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान तथा महिला उद्यमी अपने कृषि व्यापार को बढ़ावा दे सकते हैं। इस केन्द्र के द्वारा नव उद्यमियों को आवश्यक तकनीकी, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग सेवाएं प्रदान की जाती है जिससे वे अपनी कृषि व्यवसाय को सफलतापूर्वक बाजार में उतार सकें और अपने क्षेत्र में स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन कर सकें। कुलपति ने बताया कि कृषि अब पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार मूल्य संवर्धन और तकनीकी उन्नयन का आधुनिक क्षेत्र बन चुकी है।

यदि हमारे युवा उद्यमिता की भावना के साथ आगे बढ़ते रहे तो वह रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने बताया कि एबिक के माध्यम से अब तक हुए कुल 7 कोहार्टस में 77 स्टार्टअप्स को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 10 करोड रुपए की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है, जिनमें से कई स्टार्टअप सफलतापूर्वक आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 23.2.26 | 9 | 7.6 |

## हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा एनएसएस शिविर का शुभारम्भ

हिसार : पौधारोपण करते हुए मुख्यातिथि।

हिसार, 22 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भुमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन की भावना और सेवा भाव के साथ शिविर की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की अह्म भूमिका रहेगी। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 23.2.26 | 5 | 6-8 |

# हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत : प्रो. काम्बोज

## हकृवि के एबिक ने चार स्टार्टअप्स के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हिसार, 22 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रूपए की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि एबिक इनोवेशन आधारित एग्री स्टार्टअप्स के लिए ऐसा प्लेटफार्म हैं जहां कृषि या कृषि से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान तथा महिला उद्यमी अपने कृषि व्यापार को बढ़ावा दे सकते हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के साथ स्टार्टअप्स व अन्य।

इस केन्द्र के द्वारा नव उद्यमियों को आवश्यक तकनीकी, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं जिससे वे अपनी कृषि व्यवसाय को सफलतापूर्वक बाजार में उतार सकें और अपने क्षेत्र में स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन कर सकें। कुलपति ने बताया कि कृषि अब पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार मूल्य संवर्धन और तकनीकी उन्नयन का आधुनिक क्षेत्र बन चुकी है। यदि हमारे युवा उद्यमिता की भावना के साथ आगे बढ़ते रहे तो वह रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने बताया कि एबिक के माध्यम से अब तक हुए कुल 7 कोहार्टस में 77 स्टार्टअप्स को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 10 करोड रुपए की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है जिनमें से कई स्टार्टअप सफलतापूर्वक आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं। आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के नियंत्रक अधिकारी एवं हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय अब केवल शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। पंचकुला की दिब्बा व विनीत कुमार की कंपनी पर्वा इम्यूनोकेयर प्राइवेट लिमिटेड को पांच लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्टार्टअप ने जीवित प्रोबायोटिक फॉर्मुलेशन विकसित किए हैं, जिनमें अनाज एवं बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय शामिल हैं जो पाचन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, विक्रम सिंधु व राहुल दुहन उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 23.2.26 | 5 | 3 |

## कृषि में नवाचार बढ़ाने को एबिक ने चार स्टार्टअप्स के साथ किए एमओयू

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) की ओर से कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप के साथ एमओयू किए गए हैं।

कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप को 62 लाख की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के कुलपति प्रो बलदेव राज कंबोज, अधिष्ठाता डा. अतुल ढींगड़ा, विक्रम सिंधु व राहुल दुहन उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। एबिक इनोवेशन आधारित एग्री स्टार्टअप के लिए ऐसा प्लेटफार्म हैं जहां कृषि या कृषि से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान तथा महिला उद्यमी अपने कृषि व्यापार को बढ़ावा दे सकते हैं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पाठकपक्ष न्यूज | 23.02.2026 | -- | -- |

# हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 23 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में नवाचार और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। एबिक नवाचार आधारित एग्री स्टार्टअप्स को तकनीकी, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग उपलब्ध करा रहा है, ताकि युवा रोजगार लेने के बजाय रोजगार देने वाले बन सकें। उन्होंने बताया कि अब तक 7 कोहोर्ट्स में 77 स्टार्टअप्स को लगभग 10 करोड़ रुपये की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है। आरकेवीवाई-रफ्तार योजना के तहत एबिक युवाओं को 4 से 25 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान कर रहा है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि महेंद्रगढ़, पानीपत, हिसार और पंचकूला के चार स्टार्टअप्स को मशरूम मूल्य संवर्धन, कंपोस्ट मशीन निर्माण, केले की पोस्ट-हार्वेस्ट तकनीक तथा प्रोबायोटिक उत्पाद विकास के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टार्टअप प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दक्ष दर्पण न्यूज | 22.02.2026 | -- | -- |

# हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरतः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» हकृवि के एबिक ने चार स्टार्टअप्स के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दक्ष दर्पण

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रूपए की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है। कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि एबिक इनोवेशन आधारित एग्री स्टार्टअप्स के लिए ऐसा प्लेटफार्म है जहां कृषि या कृषि से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान तथा महिला उद्यमी अपने कृषि व्यापार को बढ़ावा दे सकते हैं। इस केन्द्र के द्वारा नव उद्यमियों को आवश्यक तकनीकी, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग सेवाएं प्रदान की जाती है जिससे वे अपनी कृषि व्यवसाय को सफलतापूर्वक बाजार में उतार सकें और अपने क्षेत्र में स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन कर सकें। कुलपति ने बताया कि कृषि अब पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार मूल्य संवर्धन और तकनीकी उन्नयन का आधुनिक क्षेत्र बन चुकी है। यदि हमारे युवा उद्यमिता की भावना के साथ आगे बढ़ते रहे तो वह रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने बताया कि एबिक के माध्यम से अब तक हुए कुल 7 कोहार्टस में

77 स्टार्टअप्स को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 10 करोड रुपए की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है जिनमें से कई स्टार्टअप सफलतापूर्वक आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं। आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के नियंत्रक अधिकारी एवं हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय अब केवल शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि एबिक द्वारा युवाओं/ विद्यार्थियों को अपने नए आइडिया के साथ व्यवसाय शुरू करने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर कोहार्ट में छात्र कल्याण प्रोग्राम, पहल और सफल कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण और चार से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि देने का प्रावधान किया गया है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिन चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए है उनमें महेंद्रगढ निवासी योगेंद्र कुमार की कंपनी वाईएमडब्ल्यू फूड प्राइवेट लिमिटेड को 12 लाख रुपए, यह स्टार्टअप मशरूम के मूल्य संवर्धन पर कार्य कर रहा है, जिसके अंतर्गत मशरूम-कोटेड स्नैक्स, मशरूम पाउडर तथा मशरूम आधारित नमकीन एवं मिठाई जैसे उत्पाद विकसित कर रहा है और साथ ही किसानों को भी प्रशिक्षण देकर उनकों भी उद्यमिता की तरफ अग्रसर कर रहा है। पानीपत निवासी रामावतार की कंपनी आस एग्रो को 25 लाख रुपए, इस स्टार्टअप ने मशरूम उत्पादन एवं अन्य कृषि कार्यों हेतु कंपोस्ट तैयार करने के लिए डीजल इंजन संचालित चार-पहिया मशीन विकसित की है। यह मशीन श्रम लागत को कम करने तथा कंपोस्ट निर्माण की दक्षता बढ़ाने में सहायक है। हिसार के प्रदीप की कंपी ओरिक इंनीशिएटिव, हिसार एलएलपी को 20 लाख रुपए, यह स्टार्टअप केले की वैल्यू चेन में होने वाली फसलोपरांत (पोस्ट-हार्वेस्ट) हानियों को कम करने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्राकृतिक पकने की प्रक्रिया का अनुकरण करता है। यह तकनीक समान रूप से पकाव सुनिश्चित करती है, शेल्फ लाइफ बढ़ाती है तथा किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने में सहायता करती है। पंचकुला की दिब्बा व विनीत कुमार की कंपनी पर्वा इम्यूनोकेयर प्राइवेट लिमिटेड को पांच लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्टार्टअप ने जीवित प्रोबायोटिक फॉर्मुलेशन विकसित किए हैं, जिनमें अनाज एवं बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय शामिल हैं जो पाचन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, विक्रम सिंधु व राहुल दुहन उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 22.02.2026 | -- | -- |

# हकृवि के एबिक ने चार स्टार्टअप्स के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, हिसार के प्रदीप की कंपनी भी शामिल

नभ-छोर न्यूज ⏭ 22 फरवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रूपए की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है। कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिन चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए है उनमें महेंद्रगढ निवासी योगेंद्र कुमार की कंपनी वाईएमडब्ल्यू फूड प्राइवेट लिमिटिड को 12 लाख रुपए, यह स्टार्टअप मशरूम के मूल्य संवर्धन पर कार्य कर रहा है, जिसके अंतर्गत मशरूम-कोटेड स्नैक्स, मशरूम पाउडर तथा मशरूम आधारित नमकीन एवं मिठाई जैसे उत्पाद विकसित कर रहा है और साथ ही किसानों को भी प्रशिक्षण देकर उनकों भी उद्यमिता की तरफ अग्रसर कर रहा है। पानीपत निवासी रामावतार की कंपनी आस एग्रो को 25 लाख रुपए, इस स्टार्टअप ने मशरूम उत्पादन एवं अन्य कृषि कार्यों हेतु कंपोस्ट तैयार करने के लिए डीजल इंजन संचालित चार-पहिया मशीन विकसित की है। यह मशीन श्रम लागत को कम करने तथा कंपोस्ट निर्माण की दक्षता बढ़ाने में सहायक है। हिसार के प्रदीप की कंपनी ओरिक इंनीशिएटिव, हिसार एलएलपी को 20 लाख रुपए, यह स्टार्टअप केले की वैल्यू चेन में होने वाली फसलोपरांत (पोस्ट-हार्वेस्ट) हानियों को कम करने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्राकृतिक पकने की प्रक्रिया का अनुकरण करता है। यह तकनीक समान रूप से पकाव सुनिश्चित करती है, शेल्फ लाइफ बढ़ाती है तथा किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने में सहायता करती है। पंचकुला की दिब्बा व विनीत कुमार की कंपनी पर्वा इम्यूनोकेयर प्राइवेट लिमिटिड को पांच लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्टार्टअप ने जीवित प्रोबायोटिक फॉर्मुलेशन विकसित किए हैं, जिनमें अनाज एवं बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय शामिल हैं जो पाचन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, विक्रम सिंधु व राहुल दुहन उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 23.2.24 | 4 | 7-8 |

## राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं : डा. अतुल

शिविर के दौरान पौधारोपण करते मुख्य अतिथि डा. अतुल ढींगड़ा • जागरण

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम अधिकारी डा. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डा. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन की भावना और सेवा के साथ शिविर की गतिविधि में भागीदारी निभाने को प्रेरित किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 23.2.26 | 5. | 1.3 |

# व्यक्तित्व निर्माण की सशक्त पाठशाला है एनएसएस

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय (आईसीसीएससी) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर आरंभ हो गया। रविवार को शिविर का शुभारंभ पौधरोपण एवं स्वच्छता रैली के साथ किया गया।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और स्वयंसेविकाओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने की प्रेरणा दी। डॉ. ढींगड़ा ने कहा कि एनएसएस युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील, जिम्मेदार और अनुशासित नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय में पौधरोपण करते अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा। स्रोत : संस्थान

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 23.2.26 | 5 | 3 |

## सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा एन.एस.एस. शिविर का शुभारंभ

हिसार, 22 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया।

डॉ अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में स्वयंसेवकों को अनुशासन की भावना और सेवा भाव के साथ शिविर की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। एन.एस.एस. स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दीं।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 23.2.26 | 3 | 7-8 |

## 7 दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू, पौधरोपण किया

हकृवि एनएसएस शिविर के शुभारंभ पर पौधारोपण करते हुए मुख्य अतिथि।

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधरोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक ट्रिब्यून | 23.2.26 | 3 | 3 |

## हकृवि में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

हिसार, 22 फरवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| वीर भूमि | 23.2.26 | 12 | 7-8 |

## पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरुकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयं सेविकाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पूरे समर्पण और उत्साह के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दक्ष दर्पण न्यूज | 22.02.2026 | -- | -- |

# हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

दक्ष दर्पण

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भुमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व

विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरुकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयं सेविकाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पूरे समर्पण और उत्साह के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन की भावना और सेवा भाव के साथ शिविर की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की अहा भूमिका रहेगी। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| नभ छोर | 22.02.2026 | -- | -- |

## पयावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को किया प्रेरित

नभ-छोर न्यूज ⏭ 22 फरवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भुमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरुकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयं सेविकाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पूरे समर्पण और उत्साह के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन की भावना और सेवा भाव के साथ शिविर की प्रत्येक गतिविधि में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की अह्म भूमिका रहेगी। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी।